सनक या रंजिश की बलि चढ़ीं तीन मासूम जिंदगियां

मां ने पहले आशियाने को फूंका, फिर तीन बेटियों को जहर चटाकर खुद भी चुन ली मौत!

पपौंध के हिरवार गांव में सामूहिक हत्याकांड और सुसाइड, दम तोडने से पहले 7 साल की रितिका ने खोला मां का खौफनाक राज, एक ही खेत में एक साथ दफन हुईं चार लाशें

शहडोल। जिले के दूरस्थ पपौंध थाना क्षेत्र के हिरवार गांव से एक ऐसा हृदयविदारक और रूह कपा देने वाला महापाप सामने आया है, जिसने ममता शब्द को शर्मसार करने के साथ ही पूरे संभाग को झकझोर कर रख दिया है। एक मां के सिर पर खून और सनक का ऐसा भूत सवार हुआ कि उसने अपनी तीन मासूम और लाचार बेटियों के साथ मौत का वो खौफनाक खेल खेला, जिसे सुनकर किसी भी पत्थर दिल इंसान का कलेजा मुंह को आ जाए। अज्ञात कारणों और गहरे पारिवारिक विवाद के चलते एक मां ने पहले तो अपनी ही गृहस्थी और आशियाने को आग के हवाले किया और फिर तड़पती लपटों के बीच अपनी ही तीन नन्हीं परी जैसी बेटियों को जबरन जहरीला कीटनाशक चटाकर मौत की नींद सुला दिया। इस सामूहिक हत्याकांड को अंजाम देने के बाद कलयुगी मां ने खुद भी जहर गटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इस एक जिद और सनक ने हंसते-खेलते पूरे परिवार को श्मशान बना दिया।

आग की लपटें देख दौड़े थे पड़ोसी

दिल दहला देने वाली इस घटना की शुरुआत दोपहर के वक्त हुई। मृतिका अनीता सिंह उम्र 32 वर्ष अपने प्रधानमंत्री आवास योजना के मकान में अपनी तीन मासूम बेटियों रितिका उम्र 7 वर्ष, कृष्णकुमारी उम्र 4 वर्ष और अर्पिता उम्र 2 वर्ष के साथ अकेली थी। उसका पति पेशे से ड्राइवर है जो परिवार के पेट पालने के लिए परदेश (दूसरे राज्य) में नौकरी करने गया हुआ था। इसी सूनेपन और सनक का फायदा उठाते हुए अनीता ने घर का सारा राशन, कपड़ा और गृहस्थी का सामान एक जगह इक_ा किया और उसमें आग लगा दी। दोपहर में अचानक घर से धुएं का गुबार और ऊंची लपटें उठती देख पड़ोसियों के होश उड़ गए। ग्रामीण जब तक दरवाजा तोडक़र अंदर घुसे, तब तक पूरा घर जलकर स्वाहा हो चुका था और कमरे के एक कोने में मां सहित तीनों मासूम बच्चियां जिंदगी और मौत के बीच बुरी तरह तड़प रही थीं। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए चारों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन काल के गाल में समा चुकी दो मासूम बच्चियों ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। वहीं मां अनीता और बड़ी बेटी रितिका की मौत इलाज के दौरान अस्पताल में हुई।

मां ने जबरन चटाया जहर

इस पूरी रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात का सबसे सनसनीखेज और मार्मिक खुलासा तब हुआ, जब सबसे आखिरी में दम तोडने से पहले 7 साल की मासूम रितिका ने पुलिस के सामने अपनी मां के उस खौफनाक चेहरे को बेनकाब किया। रितिका ने कांपते होठों और टूटती सांसों के बीच पुलिस को आपबीती सुनाते हुए बताया कि मां ने पहले पूरे घर के सामान में आग लगाई और फिर हम तीनों बहनों को पकडक़र एक-एक करके जबरन मुंह में कड़वा कीटनाशक (जहर) चटा दिया। बताया जा रहा है कि महिला ने जिस खतरनाक कीटनाशक का इस्तेमाल किया था, वह जीभ पर रखते ही अपना जानलेवा असर दिखाता है। रितिका के इस आखिरी बयान के कुछ ही देर बाद उसकी भी आंखें हमेशा के लिए बंद हो गईं।

अपने ही खेत में एक साथ दफन हुईं चार लाशें

पोस्टमार्टम के बाद जब चारों शवों को अंतिम संस्कार के लिए वापस गांव लाया गया, तो वहां का मंजर देखकर हर किसी की रूह कांप उठी। पारिवारिक परंपरा और रीति-रिवाजों के मुताबिक, मां अनीता और उसकी तीनों मासूम बेटियों को मुखाग्नि देने के बजाय घर के ही पास स्थित उनके अपने खेत में एक साथ दफनाया गया। एक ही कतार में खोदे गए चार गड्ढों में जब मां और उन तीन मासूमों को सुपुर्द-ए-खाक किया जा रहा था, तब वहां मौजूद ग्रामीणों की आंखें छलक पड़ीं और पूरा माहौल चीत्कारों से गूंज उठा। जिन मासूमों को कुछ दिन पहले तक ग्रामीण उसी खेत में खेलते-कूदते देखते थे, आज वे हमेशा के लिए उसी मिट्टी के नीचे दफन हो गईं।

परिवार में बना रहता था तनाव

पपौंध पुलिस की तफ्तीश आगे बढ़ रही है, इस खौफनाक कदम के पीछे छिपी कड़वी पारिवारिक हकीकत और महिला का उग्र स्वभाव भी सामने आने लगा है। स्थानीय लोगों और रिश्तेदारों से पूछताछ में यह चौंकाने वाली बात सामने आई है कि अनीता बेहद गुस्सैल, अडियल और उग्र स्वभाव की महिला थी। वह बात-बात पर अपने बूढ़े सास-ससुर से झगड़ा करती थी और अपने पति पर इस बात का लगातार दबाव बनाती थी कि वह अपने बूढ़े मां-बाप को खर्च के लिए फूटी कौड़ी भी न दे और उनसे पूरी तरह नाता तोड़ ले। इसी जिद को लेकर परिवार में भारी तनाव बना रहता था।

सबूत मिटाने के लिए मोबाइल के किए टुकड़े

अनीता के सिर पर आत्महत्या से ठीक पहले किस कदर पागलपन सवार था, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जहर खाने और आग लगाने से पहले उसने अपना खुद का मोबाइल फोन पटक-पटक कर चकनाचूर कर दिया। पुलिस को जले हुए मलबे से मोबाइल के टूटे अवशेष मिले हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि मोबाइल तोडने के पीछे मृतिका की मंशा यह थी कि उसकी आखिरी कॉल डिटेल, मैसेज या किसी से हुआ आखिरी विवाद पुलिस के हाथ न लग सके और कोई उससे संपर्क न कर पाए।

साइबर सेल की मदद से जवाब ढूंढेगी पुलिस

मामले की गंभीरता को देखते हुए पपौंध थाना प्रभारी बृजेंद्र मिश्रा ने बताया कि मर्ग कायम कर मामले की हर एंगल से कड़ाई से जांच की जा रही है। मृतिका के पति को सूचना दे दी गई है, उसके आने पर विस्तृत बयान दर्ज किए जाएंगे। इसके साथ ही, पुलिस अब महिला के टूटे हुए मोबाइल के अवशेषों को फॉरेंसिक और साइबर सेल की जांच के लिए भेजने की तैयारी कर रही है। ताकि यह साफ हो सके कि इस आत्मघाती और जानलेवा कदम को उठाने से ठीक पहले उसका किससे आखिरी विवाद हुआ था। बहरहाल, इस दर्दनाक घटना ने समाज की सोच और पारिवारिक ताने-बाने पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आर्म्स शाखा प्रभारी की संदिग्ध मौत से हडक़ंप

पारिवारिक कलह या मानसिक तनाव बना वजह

उमरिया। जिला मुख्यालय स्थित पुलिस लाइन परिसर उस समय गहरे सन्नाटे और सनसनी में डूब गया, जब वहाँ की सबसे संवेदनशील आम्र्स शाखा (शस्त्रागार) के प्रभारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की खबर जंगल की आग की तरह फैली। कानून के पहरेदारों के बीच हुई इस अनहोनी ने पूरे पुलिस महकमे को हिलाकर रख दिया है। मृतक की शिनाख्त विजय कुमार सिंह उम्र 54 वर्ष निवासी जमुनिया (जिला सागर) के रूप में हुई है, जो वर्तमान में उमरिया पुलिस लाइन की आम्र्स शाखा के मुख्य प्रभार में तैनात थे और लंबे समय से हथियारों के रख-रखाव की कमान संभाल रहे थे।

बंद कमरे का राज

जानकारी के मुताबिक, रविवार को हुई इस खौफनाक घटना की भनक लगते ही आला पुलिस अधिकारी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे इलाके को सील कर दिया। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर शव को तुरंत पोस्टमार्टम के लिए रवाना किया गया। पुलिस महकमे के भीतर इस बात को लेकर गहरी चर्चा है कि आखिर शांत स्वभाव और अनुशासित कार्यशैली के लिए मशहूर विजय कुमार सिंह को ऐसा क्या गम खा गया कि उन्होंने यह रास्ता चुन लिया। सूत्रों से छनकर आ रही खबरों के मुताबिक, वे पिछले कुछ समय से गंभीर पारिवारिक समस्याओं और असहनीय मानसिक तनाव के दौर से गुजर रहे थे। हालांकि, खाकी का रसूखदार तंत्र अभी इस संवेदनशील मुद्दे पर खुलकर कुछ भी बोलने और किसी ठोस निष्कर्ष पर पहुंचने से साफ बच रहा है।

हर एंगल खंगाल रही कोतवाली पुलिस

इस हाई-प्रोफाइल मौत ने पुलिस महकमे के भीतर के आंतरिक तनाव और सुरक्षा दावों पर कई गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। साथी कर्मचारियों की मानें तो विजय कुमार सिंह ने कभी सार्वजनिक तौर पर अपनी किसी परेशानी का जिक्र नहीं किया था, जिससे उनकी मौत की पहेली और ज्यादा उलझ गई है। कोतवाली थाना प्रभारी मदन लाल मरावी ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि पुलिस मामले के हर एक सुलगते पहलू की बारीकी से तफ्तीश कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच में सामने आने वाले तथ्यों के बाद ही मौत की असली वजह का पर्दाफाश हो सकेगा। बहरहाल, सागर से परिजनों के उमरिया पहुंचने के बाद ही आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी, लेकिन इस घटना ने खाकी की कार्यप्रणाली के पीछे छिपे डिप्रेशन को एक बार फिर चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है।

सीमांकन के एवज में किसान से मांगी 10 हजार की रिश्वत

शहडोल। जिले की जैतपुर तहसील एक बार फिर भ्रष्टाचार, बाबूशाही और आम जनता के खुले शोषण का अखाड़ा बन चुकी है। ताजा मामला एक गरीब और लाचार किसान की जमीन के सीमांकन से जुड़ा है, जहां नियम-कायदों को ताक पर रखकर सरेआम रिश्वतराज चलाया जा रहा है। आरोप है कि तहसील कार्यालय में पदस्थ साहब और उनके चहेते बाबू बिना गांधी छाप (रिश्वत) के फाइलों को आगे सरकाने के लिए तैयार नहीं हैं। जब पीड़ित किसान ने इस भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई और सूबे के मुखिया की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 की शरण ली, तो व्यवस्था सुधरने के बजाय प्रशासनिक अमला और ज्यादा आक्रामक हो गया। अब पीड़ित पर शिकायत वापस लेने के लिए चौतरफा दबाव बनाया जा रहा है और काम न होने देने की खुली धमकियां दी जा रही हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जैतपुर निवासी पीड़ित किसान सुभाष बारी पिता मुन्नालाल बारी अपनी पैतृक भूमि (खसरा नंबर 182/1) के सीमांकन के लिए लंबे समय से दफ्तरों के चक्कर काट रहा था। उसने विधिवत प्रक्रिया के तहत आवेदन किया, जिसके बाद प्रशासन द्वारा सीमांकन के लिए 5 मार्च 2026 की तारीख भी मुकर्रर की गई थी। किसान को उम्मीद थी कि इस बार उसे इंसाफ मिलेगा, लेकिन जैसे ही वह तय तारीख पर तहसील कार्यालय पहुंचा, उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया गया। आरोप है कि कार्यालय में मौजूद बाबू और खुद तहसीलदार ने किसान की बेबसी का फायदा उठाते हुए सीमांकन के नाम पर सरेआम 10 हजार रुपये की मोटी रकम की मांग कर दी। पीड़ित का कहना है कि उसे दो टूक शब्दों में अल्टीमेटम दिया गया, अगर सीमांकन कराना है तो जेब ढीली करनी पड़ेगी, पैसे नहीं मिले तो फाइल ऐसे ही धूल खाती रहेगी। जब स्वाभिमानी किसान ने इस अवैध वसूली के आगे झुकने से इनकार कर दिया, तो उसकी कार्रवाई को रोक दिया गया और उसे दफ्तर से बैरंग लौटा दिया गया।

सीएम हेल्पलाइन 181 में शिकायत की तो दी जा रही धमकी

प्रशासनिक उपेक्षा और सरेआम मांगी जा रही घूस से तंग आकर किसान सुभाष बारी ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 पर मामले की शिकायत दर्ज करा दी, लेकिन विडंबना देखिए, जिस 181 हेल्पलाइन को जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण और भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के लिए बनाया गया है, वही अब भ्रष्ट अधिकारियों के लिए खीझ का कारण बन चुकी है। शिकायत के बाद समाधान तो दूर, तहसील कार्यालय के रसूखदारों ने पीड़ित का जीना मुहाल कर दिया है। किसान का गंभीर आरोप है कि उसे बार-बार दफ्तर बुलाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है और हुक्म सुनाया जा रहा है कि पहले 181 की शिकायत बंद करवाओ, तभी तुम्हारी जमीन नापी जाएगी। हद तो तब हो गई जब शिकायत वापस न लेने पर उसका काम हमेशा के लिए ठप करने और कानूनी पचड़ों में फंसाने की धमकी भी दी गई।

इस तानाशाही और दमनकारी रवैये से परेशान होकर पीड़ित किसान ने आखिरकार अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) की चौखट पर न्याय की गुहार लगाई है। लिखित शिकायत सौंपते हुए सुभाष बारी ने मांग की है कि उसकी पैतृक भूमि का सीमांकन तत्काल कराया जाए और पद का दुरुपयोग कर रिश्वत मांगने वाले तहसीलदार व संबंधित बाबू के खिलाफ कड़ी दंडात्मक व विभागीय कार्रवाई की जाए। यह मामला सीधे तौर पर सरकार की पारदर्शिता और जीरो टॉलरेंस की नीति पर करारा तमाचा है। यदि अन्नदाता को अपनी ही जमीन की नापजोख के लिए दफ्तरों में गिड़गिड़ाना पड़े और घूस न देने पर प्रताड़ित होना पड़े, तो यह प्रशासनिक तंत्र की नाकामी को दर्शाता है।

अपहरणकर्ता के चंगुल से नाबालिग मुक्त

शहडोल। मासूमों पर बुरी नजर डालने वाले अपराधियों के खिलाफ सिंहपुर पुलिस ने तड़ातड़ कार्रवाई करते हुए एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने न केवल अगवा की गई एक नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद किया, बल्कि घिनौनी वारदात को अंजाम देने वाले शातिर आरोपी को भी सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। मामला बीते 25 मई 2026 का है, जब एक फरियादिया की नाबालिग बेटी को कोई अज्ञात दरिंदा बहला-फुसलाकर भगा ले गया था। मां की शिकायत पर सिंहपुर पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर खाकी का दम दिखाया। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक आशीष झारिया के नेतृत्व में गठित टीम ने जाल बिछाया और महज 5 दिनों के भीतर 30 मई को नाबालिग को कल्याणपुर केंद्रीय विद्यालय के सामने (शहडोल) से सकुशल दस्तयाब कर लिया।बालिका के बयानों के आधार पर पुलिस ने मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए नए कानून बीएनएस की धारा 96, 127(3), 61(1), 64(2), 65(1) सहित पॉक्सो एक्ट की संगीन धाराएं बढ़ा दीं। घिनौनी करतूत के आरोपी देवेश उर्फ बंशी यादव 20 वर्ष, निवासी बमुरा, हाल कल्याणपुर को पुलिस ने दबोच लिया, जिसे आज 31 मई को सीधे कोर्ट में पेश किया गया। इस त्वरित और सराहनीय कार्रवाई में थाना प्रभारी आशीष झारिया, राकेश जाटव, सत्यनारायण पाण्डेय, सोमित पटेल और महिला आरक्षक खुशबू कौसले की जांबाज भूमिका रही।

टेट अनिवार्यता के खिलाफ चट्टान की तरह खड़ा हुआ शिक्षक संघ, मानसून सत्र में आर-पार की लड़ाई का ऐलान

शहडोल। सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश ने देश के 14 लाख और मध्य प्रदेश के हजारों शिक्षकों के भविष्य को अधर में लटका दिया है। टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की अनिवार्यता के चलते आज राष्ट्र निर्माता कहे जाने वाले गुरुजी खुद मानसिक प्रताडऩा के दौर से गुजर रहे हैं। इस गंभीर संकट के बीच मध्य प्रदेश शिक्षक संघ और उसकी राष्ट्रीय इकाई अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने आर-पार की लड़ाई का शंखनाद कर दिया है। संगठन ने साफ कर दिया है कि वह देश के लाखों शिक्षकों के हक के लिए केंद्र सरकार के सामने चट्टान बनकर खड़ा है।

मध्य प्रदेश शिक्षक संघ शहडोल के जिला अध्यक्ष लालजी तिवारी ने दो टूक शब्दों में कहा कि इस अदालती आदेश के बाद शिक्षक और उनके परिवार गहरे मानसिक तनाव में हैं। जब शिक्षक खुद स्वस्थ मनःस्थिति में नहीं होगा, तो वह पठन-पाठन, परीक्षा मूल्यांकन और

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कैसे दे पाएगा? उन्होंने बताया कि प्रांताध्यक्ष छत्रवीर सिंह राठौड़ एवं महामंत्री राकेश गुप्ता ने पूर्व में कोर्ट में रिट पिटीशन लगाकर राहत की गुहार लगाई थी, लेकिन तकनीकी कारणों से वहां राहत नहीं मिल सकी।

अब इस लड़ाई को दिल्ली के राजनैतिक गलियारों तक ले जाया जा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर नारायण लाल गुप्ता एवं महामंत्री श्रीमती गीता भट्ट ने वीडियो संदेश जारी कर देशव्यापी आंदोलन और प्रयासों का बिगुल फूंक दिया है। संगठन का दृढ़ संकल्प है कि आगामी मानसून सत्र में भारत सरकार के शिक्षा मंत्री और प्रधानमंत्री पर दबाव बनाकर एक विशेष विधेयक लाया जाए, जिससे शिक्षकों को टीईटी परीक्षा की इस बाध्यता से हमेशा के लिए मुक्ति मिल सके।

जिला अध्यक्ष लालजी तिवारी ने जिले के तमाम शिक्षक साथियों को ढांढस बंधाते हुए कहा है कि किसी भी गुरुजी को हताश या परेशान होने की रत्ती भर भी जरूरत नहीं है। हमारा संगठन राष्ट्रहित, शिक्षा हित और शिक्षक हित के लिए अंतिम सांस तक लड़ेगा। राष्ट्रीय नेतृत्व का वादा है कि मानसून सत्र में टेट की अनिवार्यता को खत्म कराकर ही दम लिया जाएगा। सभी शिक्षक निर्भय होकर अपने कर्तव्यों का पालन करें, भ्रष्ट नीतियों और अव्यावहारिक नियमों के आगे घुटने टेकने की बिल्कुल जरूरत नहीं है।

जनपद पंचायतों में महीनों से वेतन का अकाल कैसे होगा विकास जब भूखा है मैदानी स्टाफ

शहडोल। एक तरफ प्रदेश सरकार विकास के आसमान छूते दावे कर रही है, तो दूसरी तरफ उसी विकास को जमीन पर उतारने वाला मैदानी अमला खून के आंसू रोने को मजबूर है। जनपद पंचायतों में इन दिनों अजीबोगरीब और बेहद शर्मनाक हालात बने हुए हैं। ग्रामीण विकास की रीढ़ कहे जाने वाले कंप्यूटर ऑपरेटर, बीसी, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी, उपयंत्री और ग्राम रोजगार सहायकों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। आरोप है कि कई जिलों में इन रीढ़विहीन अधिकारियों ने कर्मचारियों को महीनों से फूटी कौड़ी तक नहीं दी है। मानदेय डकार कर बैठे सिस्टम के कारण अब इन छोटे कर्मचारियों के घरों में चूल्हा जलना भी दूभर हो गया है।

विडंबना देखिए कि सूबे की सरकार अपनी फ्लैगशिप योजनाओं, बड़े-बड़े आयोजनों और उनके तामझाम भरे प्रचार-प्रसार पर पानी की तरह करोड़ों रुपये बहा रही है, लेकिन जब उन्हीं योजनाओं को रात-दिन एक कर सफल बनाने वाले इन संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों के हक के भुगतान की बारी आती है, तो जिम्मेदार अधिकारी बजट की कमी का रोना रोने लगते हैं। कर्मचारियों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। उनका साफ कहना है कि जब सरकार को अपनी पीठ

थपथपानी होती है या किसी योजना का टारगेट पूरा करना होता है, तो बड़े साहबान दिन-रात एक करवा देते हैं। संडे हो या मंडे, काम का दबाव ऐसा बनाया जाता है मानो कर्मचारी नहीं, बंधुआ मजदूर हों, लेकिन जैसे ही वेतन की बात आती है, फाइलें लालफीताशाही और कागजी प्रक्रियाओं के चक्रव्यूह में उलझा दी जाती हैं।

लगातार आसमान छूती महंगाई के इस दौर में दो-तीन महीने तक वेतन न मिलना किसी मानसिक प्रताडना से कम नहीं है। पीड़ित कर्मचारियों का दर्द छलक उठा है। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि कई साथियों के पास बच्चों के स्कूल की फीस भरने, मकान का किराया देने और बूढ़े मां-बाप की दवाइयां खरीदने तक के पैसे नहीं बचे हैं। मनरेगा से लेकर पंचायतों के डिजिटलाइजेशन, निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग और हर छोटी-बड़ी रिपोर्टिंग का जिम्मा उठाने वाला यह अमला आज खुद भीख मांगने की कगार पर खड़ा है।

यह केवल मानदेय रुकने का मामला नहीं है, बल्कि यह रीढ़विहीन प्रशासनिक तंत्र और असंवेदनशील व्यवस्था पर एक करारा तमाचा है। सवाल उठता है कि आखिर इन गरीब और मध्यमवर्गीय कर्मचारियों की चीखें वल्लभ भवन (भोपाल) या जिला मुख्यालयों में बैठे बड़े हाकिमों के कानों तक क्यों नहीं पहुंचती? यदि योजनाओं के सूत्रधार ही दाने-दाने को मोहताज होंगे, तो सुशासन के खोखले दावों की पोल खुलना तय है। अब देखना यह है कि कुंभकर्णी नींद में सोया प्रशासन कब जागता है और कब इन शोषित कर्मचारियों के खातों में उनके पसीने की कमाई ट्रांसफर की जाती है। यदि जल्द ही लंबित मानदेय का भुगतान नहीं हुआ, तो मैदानी स्तर पर काम ठप होना निश्चित है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन की होगी।

खबर संक्षेप

एसईसीएल हसदेव क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि नियुक्त हुए राकेश पांडे

हरिभूमि न्यूज राजनगर। शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह द्वारा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राजनगर डोला निवासी राकेश पांडे (छोटू) को एसईसीएल हसदेव क्षेत्र के लिए सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। इस संबंध में सांसद द्वारा नियुक्ति पत्र जारी करते हुए उन्हें क्षेत्र की विभिन्न बैठकों एवं जनहित से जुड़े कार्यों में सांसद का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एसईसीएल हसदेव क्षेत्र में आयोजित होने वाली बैठकों में सांसद की अनुपस्थिति के दौरान राकेश पांडे सांसद प्रतिनिधि के रूप में सहभागिता करेंगे तथा क्षेत्र की समस्याओं एवं जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए उनके निराकरण के लिए आवश्यक पहल करेंगे। राकेश पांडे की नियुक्ति की खबर मिलते ही भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों में हर्ष का वातावरण निर्मित हो गया। पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। क्षेत्र के लोगों ने अपेक्षा किया कि राकेश पांडे क्षेत्र की जनता की समस्याओं को प्रभावी ढंग से संबंधित मंचों पर रखेंगे तथा सांसद और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर क्षेत्र के विकास एवं जनकल्याण के कार्यों को गति प्रदान करेंगे। उनकी नियुक्ति से क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के समाधान में नई ऊर्जा और सकारात्मक पहल देखने को मिलेगी। उपरोक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह द्वारा दी गई।

स्वास्थ्य समिति की संपन्न

नरसिंहपुर। श्रीमती रजनी सिंह कलेक्टर सह अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति की अध्यक्षता में कार्यालय कलेक्टर सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें डॉ मनीष कुमार मिश्रा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डी आर के चैधरी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला स्वास्थ्य अधिकारी-1. जिला स्वास्थ्य अधिकारी-3, एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर द्वारा गर्भवती महिलाओं के पंजीयन की समीक्षा में जहाँ पंजीयन कम है वहाँ पर आशा एवं ए.एन.एम. से सर्वे कराकर गर्भवती माता पंजीयन शत प्रतिशत एवं बी.एम.ओ., ए.एन.एम. तथा आशा के एक-साथ बैठक प्रतिमाह करने हेतु निर्देश दिये गये। सभी बी.पी.एम. की प्रति बुधवार सायं 04 बजे ए.एन.सी. पंजीयन कितना हुआ, कितना का होना है. कितनो का शेष है गूगल लिंक में जिला में जानकारी जिला कार्यालय में भेजने के निर्देश दिये गये। माडरेट एनीमिया एवं पी.आई.एच. बाबई चीचली तथा शहरी नरसिंहपुर का सबसे कम पाया गया शत प्रतिशत करने के निर्देश दिये गये।

शिक्षक संघ की वर्चुअल बैठक सम्पन्न

नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के द्वारा आयोजित ऑनलाइन गूगल मीट में सभी जिलों के साथ वर्चुअल बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें प्रांताध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौर के नेतृत्व में विशेष रूप से नई शिक्षा नीति के अंतर्गत त्रिभाषा विषय को लेकर विभिन्न स्तरों पर बनाए जा रहे भ्रामक नैरेटिव पर गंभीर होकर काम करने का निर्णय किया है। प्रांताध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौर ने कहा कि सीबीएसई विद्यालयों में त्रिभाषा विषय को लेकर गलत धारणाएं एवं नकारात्मक वातावरण निर्मित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसका जवाब संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता को सकारात्मक एवं तथ्यात्मक नैरेटिव के माध्यम से देना होगा।

तंबाकू त्यागने का दिया संदेश

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही. एस. चंदेल के निर्देशन में जिला चिकित्सालय उमरिया के सभागार में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उमरिया।

कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी डॉ. संदीप सिंह ने किया। डॉ. संदीप सिंह ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वर्ष 1987 से प्रत्येक वर्ष 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य तंबाकू सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों, मृत्यु और सामाजिक-आर्थिक दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने एलईडी प्रस्तुतीकरण और हिंदी चलचित्र के माध्यम से तंबाकू एवं निकोटीन युक्त उत्पादों के दुष्प्रभावों की जानकारी दी तथा बताया कि तंबाकू उद्योग युवाओं को आकर्षित करने के लिए विभिन्न भ्रामक और आक्रामक प्रचार रणनीतियां अपनाता है। उन्होंने लोगों से तंबाकू की लत छोडऩे का संकल्प लेने का आह्वान किया।

इस अवसर पर डॉ. सिंह ने कोटपा अधिनियम-2003 की प्रमुख धाराओं की जानकारी देते हुए सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध, तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन पर प्रतिबंध, 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों को बिक्री पर रोक तथा शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में बिक्री प्रतिबंधित होने संबंधी प्रावधानों से अवगत कराया।

जिला क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. मुकुल तिवारी ने कहा कि तंबाकू सेवन से टीबी सहित कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। वहीं सिविल सर्जन एवं अस्पताल अधीक्षक डॉ. के. सी. सोनी ने सभी उपस्थितजनों को तंबाकू सेवन न करने और समाज को इसके प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, आशा कार्यकर्ता, पैरामेडिकल एवं किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम से जुड़े छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। छात्राओं ने रंगोली के माध्यम से तंबाकू के दुष्प्रभावों का प्रभावी संदेश भी दिया।

विश्व साइकिल दिवस पर 3 जून को होगा 'उमरिया साइक्लोथॉन-2026'

उमरिया।

विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर 3 जून 2026 को उमरिया जिले में 'उमरिया साइक्लोथॉन-2026' का आयोजन किया जाएगा। मेरा युवा भारत (माई भारत), युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित यह 5 किलोमीटर का गैर-प्रतिस्पर्धी साइक्लोथॉन कार्यक्रम मेरा युवा भारत केंद्र, उमरिया के तत्वावधान में तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग, उमरिया के सहयोग से संपन्न होगा।

यह आयोजन मुख्य रूप से 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है, हालांकि इसमें सभी आयु वर्ग के साइकिल प्रेमी भाग ले सकेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना, स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल परिवहन के प्रति जागरूकता फैलाना तथा जनसामान्य को फिटनेस के प्रति प्रेरित करना है।

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि साइक्लोथॉन का शुभारंभ 3 जून को सुबह 6 बजे स्थानीय स्टेडियम से किया जाएगा। आयोजन के सफल संचालन एवं क्रियान्वयन के लिए विभिन्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित कर दी गई है। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि सभी संबंधित अधिकारी अपने दायित्वों के अनुरूप कार्यक्रम से पूर्व आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें, ताकि आयोजन सुचारु एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। कार्यक्रम से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इच्छुक प्रतिभागी उमाशंकर त्रिवेदी, जिला युवा अधिकारी, मेरा युवा भारत, जिला उमरिया से मोबाइल नंबर 8920706966 पर संपर्क कर सकते हैं।

आईटीआई उमरिया में विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

उमरिया। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई), उमरिया में सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। संस्था के प्राचार्य ने जानकारी देते हुए बताया कि आईटीआई में प्रशिक्षण प्राप्त कर विद्यार्थी तकनीकी दक्षता हासिल कर स्वरोजगार के साथ-साथ निजी एवं शासकीय क्षेत्रों में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

प्राचार्य के अनुसार ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 30 जून 2026 तक संचालित होगी। इसके साथ ही अभ्यर्थियों को 1 जून 2026 से 30 जून 2026 तक च्वाइस फिलिंग की प्रक्रिया भी पूर्ण करनी होगी। संस्था में विभिन्न ट्रेडों के लिए सीटों का निर्धारण किया गया है, जिसमें वेल्डर के लिए 40 सीटें, इलेक्ट्रिशियन के लिए 40 सीटें, कोपा के लिए 48 सीटें, फिटर के लिए 40 सीटें, डीएमएम के लिए 24 सीटें, स्टेनो हिंदी के लिए 24 सीटें, सोलर टेक्नीशियन के लिए 20 सीटें तथा सिलाई टेक्नोलॉजी के लिए 20 सीटें उपलब्ध हैं।

संस्था प्रशासन ने जिले के छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं विद्यालय प्राचार्यों से अधिक से अधिक विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा के लिए प्रेरित करने की अपील की है, ताकि युवा आत्मनिर्भर बन सकें और रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। अधिक जानकारी के लिए अजय चौरसिया (मो. 9907686753) तथा प्रभात रंजन वर्मा (मो. 9827842787) से संपर्क किया जा सकता है।

पीएम स्वनिधि योजना 2.0 अंतर्गत विशेष कैम्पेन किए जाएंगे आयोजित

उमरिया।

जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक ने बताया कि आवासन तथा शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार पीएम स्वनिधि योजना 2.0 अंतर्गत 1 जून 2026 से 30 जून 2026 तक विशेष कैम्पेन चलाया जा रहा है। भारत सरकार के निर्देशानुसार कैम्पेन अवधि में तीन स्तरों पर कैम्प आयोजित किए जायेगे जिसमें जिला स्तर पर स्वनिधि महोत्सव,निकाय स्तर पर लोक कल्याण मेला तथा शैडो टाउन स्तर पर स्वनिधि कैंप शामिल हैं।

उन्होने बताया कि कैम्पेन अवधि के दौरान बैंक स्तर से लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण, स्वीकृति तथा वितरण हेतु लंबित समस्त पीएम स्वनिधि प्रकरणों का 7 दिवस में निराकरण कर राशि वितरण सुनिश्चित की जाएगी। अधिकतम कवरेज नगरीय निकाय से समन्वय कर अधिक से अधिक पात्र स्ट्रीट वेंडरों को चिन्हित कर ऋण स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही की जाएगी।उन्होंने कहा है कि क्लोजर की अनुमति 70,000 रु. से अधिक के ऋण प्रकरणों पर शाखा स्तर से क्लोज करने का अनुमोदन लंबित न रखें। स्वीकृत/वितरित प्रकरणों को पोर्टल पर तत्काल मार्क करना अनिवार्य है जिससे हितग्राही की द्वितीय चरण का लाभ मिल सके।उचित कारण सहित निरस्तीकरण नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा चिन्हित किया गया है कि कई प्रकरणों में बैंक द्वारा अदर ऑप्शन चुनकर बिना कारण दर्ज किए आवेदन निरस्त किए जा रहे हैं। यह केंद्र सरकार के निर्देशों के विपरीत है। भविष्य में निरस्त करने पर समुचित कारण पोर्टल पर अंकित करना अनिवार्य है। कैम्प में सहभागिता नगर पालिका/नगर परिषद द्वारा आयोजित तोक कल्याण मेला एव स्वनिधि कैम्प में शाखा से अधिकृत अधिकारी मय स्वीकृति अधिकार के उपस्थित रहकर स्पाट सेक्शन एंड डिसबर्समेंट सुनिश्चित करेंगे। प्रत्येक शाखा एक नोडल अधिकारी नामांकित कर नाम मोबाइल नंबर 02.06.2026 तक एलडीएम कार्यालय को प्रेषित करेंगे।

उन्होने निर्देशित किया है कि भारत सरकार के इस महत्वपूर्ण कैम्पेन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उपरोक्तानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें। दैनिक प्रगति प्रतिवेदन एलडीएम कार्यालय को सायं 5 बजे तक प्रेषित करेंगे।

मेघों का प्रचंड प्रहार

अमरकंटक में मूसलाधार वर्षा से जलमग्न हुआ नर्मदा मंदिर क्षेत्र, दुकानदारों को भारी नुकसान

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्यप्रदेश की पावन तीर्थनगरी अमरकंटक में शनिवार की शाम मौसम ने अचानक ऐसा करवट ली कि देखते ही देखते पूरा नगर मूसलाधार वर्षा की चपेट में आ गया। दोपहर लगभग 3:30 बजे शुरू हुई तेज बारिश रात करीब 8 बजे तक लगातार जारी रही। पांच घंटे तक हुई इस भीषण वर्षा ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया तथा नर्मदा मंदिर परिसर के आसपास जलभराव की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई। लगातार बरसते मेघों के कारण मां नर्मदा मंदिर के मुख्य प्रवेश क्षेत्र के सामने लगभग एक फीट तक पानी भर गया। जल निकासी व्यवस्था पर अत्यधिक दबाव पड़ने से सड़कें छोटे नालों में तब्दील हो गईं। वर्षा का वेग इतना अधिक था कि मंदिर के सामने स्थित दुकानों में रखा सामान पानी की धार में बहने लगा। विशेष रूप से पूजा-अर्चना में उपयोग होने वाले नारियल, अगरबत्ती, फूल-माला तथा अन्य सामग्री पानी के साथ बहती दिखाई दी, जिससे दुकानदारों को आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ा। स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि अचानक हुई तेज वर्षा के कारण उन्हें सामान सुरक्षित रखने का पर्याप्त समय नहीं मिल सका। कई दुकानों में पानी घुस गया, जिससे व्यापारियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। कुछ दुकानदारों ने तत्काल अपने सामान को ऊंचे स्थानों पर पहुंचाकर नुकसान कम करने का प्रयास किया, लेकिन तेज बहाव के कारण काफी सामग्री नष्ट हो गई। बारिश के दौरान नर्मदा मंदिर क्षेत्र में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की आवाजाही भी प्रभावित रही। मंदिर दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं को जलभराव और फिसलन भरे मार्गों के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हालांकि किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं मिली है, लेकिन लगातार हुई वर्षा ने प्रशासन की जल निकासी व्यवस्था की भी पोल खोल दी। मौसम सुहावना होने के बावजूद भारी वर्षा के कारण नगर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बनी रही। वर्षा थमने के बाद स्थानीय लोग और व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों की सफाई तथा नुकसान का आकलन करने में जुटे रहे। अमरकंटक में हुई इस असामान्य और तीव्र वर्षा ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए नगर की जल निकासी व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से जनसामान्य और व्यापारियों को राहत मिल सके।

नल-जल योजना बनी ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब

सकोला पंचायत में टूटी पाइप लाइन, उखड़ी सड़कें और बहता पानी

सैकड़ों शिकायतों के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है, लेकिन ग्राम पंचायत सकोला में यह योजना ग्रामीणों के लिए सुविधा के बजाय परेशानी का कारण बनती दिखाई दे रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि योजना के तहत बिछाई गई पाइपलाइन कई स्थानों पर टूट चुकी है, जिससे हजारों लीटर पानी प्रतिदिन व्यर्थ बह रहा है। वहीं पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों और नालियों की मरम्मत भी आज तक नहीं कराई गई है, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने इस समस्या को लेकर सीएम हेल्पलाइन, जनपद पंचायत और संबंधित अधिकारियों के समक्ष कई बार शिकायत दर्ज कराई, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे ग्रामीणों में शासन-प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है।

पाइपलाइन बिछाने के बाद नहीं हुई मरम्मत

ग्रामीणों के अनुसार नल-जल योजना के तहत गांव के विभिन्न वार्डों और मोहल्लों में पाइपलाइन बिछाने के लिए सीसी सड़कों को ड्रिल मशीन से काटकर गहरी नालियां बनाई गईं। कार्य पूरा होने के बाद संबंधित एजेंसी और पंचायत द्वारा सड़कों की समुचित मरम्मत नहीं कराई गई। परिणामस्वरूप कई स्थानों पर सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं और राहगीरों को दुर्घटना का खतरा बना रहता है। बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जब इन गड्ढों में पानी भर जाने से लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता और जवाबदेही दोनों की अनदेखी की गई है।

कई वार्डों में नहीं पहुंचा पानी

ग्रामीणों ने बताया कि कई वार्डों में पाइपलाइन तो बिछा दी गई, लेकिन आज तक नियमित जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी। कुछ घरों में केवल पाइप डालकर कनेक्शन दे दिया गया, जबकि पानी की व्यवस्था नहीं की गई। इससे योजना का उद्देश्य अधूरा रह गया है और ग्रामीणों को आज भी पेयजल के लिए अन्य स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। कई स्थानों पर पाइपलाइन टूटने के कारण पानी सड़कों और गलियों में बह रहा है, जिससे जल की बर्बादी के साथ-साथ कीचड़ और गंदगी की समस्या भी उत्पन्न हो रही है।

शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं

ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में विकास कार्यों और शासकीय राशि के उपयोग को लेकर पिछले कई वर्षों से लगातार शिकायतें की जा रही हैं। सीएम हेल्पलाइन से लेकर जनपद पंचायत तक अनेक बार आवेदन और शिकायतें दी गईं, लेकिन किसी भी मामले में प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायतों की जांच केवल कागजों तक सीमित रह जाती है और जिम्मेदार लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं होती। इससे लोगों का भरोसा प्रशासनिक व्यवस्था पर कमजोर पड़ता जा रहा है।

पंचायत की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

गांव के लोगों का कहना है कि पूरे गांव की मूलभूत सुविधाओं की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत और उसके जनप्रतिनिधियों की होती है, लेकिन नल-जल योजना की खामियां, टूटी पाइपलाइनें और अधूरे मरम्मत कार्य पंचायत की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि उच्च स्तर पर निगरानी और कार्रवाई के अभाव में जिम्मेदार लोगों के हौसले बढ़ते जा रहे हैं। यही कारण है कि समस्याएं वर्षों से जस की तस बनी हुई हैं।

ग्रामीणों ने की उच्च स्तरीय जांच की मांग

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ग्राम पंचायत सकोला में नल-जल योजना के तहत हुए कार्यों की तकनीकी जांच कराई जाए। साथ ही पाइपलाइन बिछाने, सड़क मरम्मत, जलापूर्ति व्यवस्था और योजना में खर्च की गई राशि का स्वतंत्र ऑडिट कराया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले समय में जन आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ सकता है। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर टूटी पाइपलाइन की मरम्मत, जलापूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाने और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई करने की मांग की है। अब देखना यह होगा कि ग्रामीणों की वर्षों पुरानी शिकायतों पर प्रशासन कब संज्ञान लेता है और नल-जल योजना की खामियों को दूर कर लोगों को राहत दिलाने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

राजनगर मंडल के ग्राम पंचायत रेऊदा में मन की बात कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री दिलीप जायसवाल

हरिभूमि न्यूज राजनगर। राजनगर क्षेत्र के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी मंडल राजनगर के ग्राम पंचायत रेऊदा में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 134 में एपिसोड में कोतमा विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिलीप जायसवाल (मंत्री) लघु एवं कुटीर ग्रामोद्योग, स्वतंत्र प्रभार मध्यप्रदेश शासन, ग्राम वासियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुए। ग्राम पंचायत रेऊदा के इस कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम मुख्य अतिथि मंत्री दिलीप जायसवाल द्वारा दीप प्रज्वलित कर कि गयी। उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं का स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी मंडल राजनगर के अध्यक्ष एवं मंच का संचालन कमलेश चतुर्वेदी द्वारा की गई। कार्यक्रम सभा में सभी उपस्थित

जनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन कि बात का श्रवण किया। इस बार मन कि बात 134 में एपिसोड में समाज सेवा, जल संरक्षण, खेल, भीषण गर्मी से बचाव और भारत में आम की विविधता जैसे कई विषयों पर प्रधान मंत्री ने चर्चा कि। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से कहा कि समाज हित के कार्यों में भागीदारी बढ़ाने और सकारात्मक बदलाव लाने वाले लोगों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री में कहा कि जो लोग समाज के लिए अच्छा काम कर रहे हैं। उन्हें पहचानना चाहिये उनकी सराहना करना और उनसे सीखना चाहिए। मन कि बात कार्यक्रम समापन के पश्चात मंत्री दिलीप जायसवाल ने अपने उद्बोधन में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन के बात यह कार्यक्रम प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को आयोजित रेडियो/दूरदर्शन के माध्यम से आयोजित होता है। जिसमें भारत वर्ष के सभी जगह इस कार्यक्रम को सुना जाता है। पूर्व के इस कार्यक्रम में हमारे शहडोल संभाग का भी नाम प्रधानमंत्री के मन की बात में आया है। जहां पर शहडोल के समीप ग्राम विचारपुर में वहां के खिलाड़ियों द्वारा फुटबॉल क्रांति को मिनी ब्राजील का नाम दिया गया। वहां के खिलाड़ियों को विदेश के कोच द्वारा प्रशिक्षित भी किया गया है।

खबर संक्षेप

पाली महाविद्यालय में विज्ञान और वाणिज्य संकाय खोला जायः हर्ष अवधिया

बिरसिंहपुर पाली -- भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के प्रदेश सचिव हर्ष अवधिया ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से आग्रह किया है कि जिले के पाली महाविद्यालय में दशकों के बाद भी विज्ञान बिषय मे स्नातकोत्तर आज तक संचालित नहीं है। वही पर वाणिज्य संकाय में स्नातक की कक्षायें ही संचालित नहीं है। बिरसिंहपुर पाली में महाविद्यालय की स्थापना लगभग चार दशक पूर्व की गयी थी, तब से अब तक इस महाविद्यालय की व्यवस्थाओं में सुधार नही हुआ है। यहाँ पर वाणिज्य संकाय का शुभारंभ ही आज तक नही हुआ, जबकि विज्ञान संकाय में स्नातकोत्तर की कक्षायें संचालित नहीं होने से यहाँ के छात्रों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड रहा है। प्रदेश सचिव ने बतलाया की छात्र हितों की इस महती माँग को लेकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने लगातार मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री से मांग करते आ रहें हैं, लेकिन माननीय जनो ने छात्र हित में अभी तक ठोस निर्णय नहीं लिया है। हर्ष अवधिया ने इस संबंध में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार से मिलकर पाली महाविद्यालय की स्थिति के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए पाली महाविद्यालय की समस्याओं का निदान करते हुए पाली महाविद्यालय में विज्ञान और वाणिज्य संकाय संचालित कराने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने छात्र हितों की ध्यान में रखते हुए उच्च शिक्षा मंत्रालय को पत्र लिखकर तत्काल पाली महाविद्यालय में विज्ञान और वाणिज्य संकाय संचालित कराने की मांग की है।

राहगीरों को निःशुल्क शीतल पेयों का वितरण

कटनी। बारडोली वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष आर. एल. चौधरी के द्वारा शनिवार को चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी में आमजन व राहगीरों, दिहाड़ी मजदूर, हाथ ठेला, एवं हाथ रिक्शा चालक, आम नागरिक मजदूर को राहत देने के लिए लेबर चौक, आजाद चौक एवं रेलवे स्टेशन कटनी में बेसहारा लोगों को निःशुल्क शीतल तरल पदार्थ जिसमें ओ.आर.एस. इलेट्रॉल। बूस्ट एनर्जी ड्रिंक। ठंडे पानी की बोतल, स्टील की बोतल बिस्किट, नमकीन का वितरण किया गया। बारडोली वेलफेयर सोसाइटी लगातार कई वर्षों से भीषण गर्मी,नव तपा के माह में जहां तापमान लगातार 45% के आसपास जा रहा है जिससे राहगीरों निशुल्क शीतल पेय की सुविधा और प्यास बुझाने के लिए जूस पिलाकर मानव सेवा का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर बारडोली वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष आर एल चौधरी, रूपा बर्मन, माया गुप्ता, कार्यक्रम अधिकारी शिवकुमार चौधरी, सेक्टर प्रभारी,गणपत लाल कोल संगीता बर्मन काशी विश्वकर्मा, राजेश कुमार चौधरी, रविकांत राय, गोविन्द बर्मन सहित संस्था के समस्त सदस्यों ने अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

रिश्वत मांगने के आडियो वायरल होने पर ASI निलंबित

कटनी। स्लीमानाबाद थाने में पदस्थ उप निरीक्षक संतोष बड़गैयां को एक वाहन मालिक से रिश्वत मांगना बेहद महंगा पड़ गया। रिश्वतखोरी की बातचीत का ऑडियो वायरल होने के बाद एसपी अभिनय विश्वकर्मा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एएसआई को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार प्रिंस सोनी नामक व्यक्ति की गाड़ी का विगत दिनों तेवरी के पास एक्सीडेंट हो गया था। वाहन मालिक को अपनी गाड़ी के बीमा क्लेम के लिए थाने में आवेदन देकर उसकी पावती लेनी थी। आरोप है कि इस सीधे और नियमसंगत काम के बदले स्लीमानाबाद थाने में पदस्थ एएसआई संतोष बड़गैयां ने वाहन मालिक से 5,000 रूपये की मांग की। पीड़ित के साथ हुई इस पूरी बातचीत का ऑडियो रिकॉर्ड हो गया और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। यह मामला और ऑडियो संभाग स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों तक भी जा पहुंचा, जिसके बाद मुख्यालय से सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

सोहागपुर एरिया के दौरे पर पहुंचे एसईसीएल सीएमडी हरीश दुल्हन, रामपुर बटुरा और अमलाई ओसीएम का किया निरीक्षण, किसानों की समस्याएं सुनीं

उत्पादन, सुरक्षा और मानसून तैयारियों की समीक्षा, अमलाई ओसीएम की कार्यप्रणाली से जताया संतोष

धनपुरी।

दक्षिण पूर्वी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हरीश दुल्हन का शनिवार को अचानक सोहागपुर एरिया आगमन हुआ। उनके दौरे को उत्पादन, सुरक्षा और मानसून पूर्व तैयारियों की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सोहागपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक बी.के. जेना सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया और क्षेत्र की विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति से अवगत कराया।क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में सीएमडी ने कोयला उत्पादन, सुरक्षा मानकों, मशीनों की उपलब्धता, मानसून के दौरान जल निकासी व्यवस्था तथा आगामी उत्पादन लक्ष्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मानसून के दौरान उत्पादन प्रभावित न हो और सभी खदानों में सुरक्षा के उच्चतम मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ श्रमिकों की सुरक्षा और पर्यावरणीय मानकों का पालन भी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।रामपुर बटुरा में किसानों ने रखीं अपनी मांगेंदौरे के दौरान सीएमडी ने सोहागपुर क्षेत्र की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण परियोजना रामपुर बटुरा ओसीएम का निरीक्षण किया। इस दौरान परियोजना प्रभावित किसानों और ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात कर अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों से अवगत कराया।प्रतिनिधिमंडल ने पुनर्वास, विस्थापन, रोजगार, भूमि अधिग्रहण, मुआवजा तथा प्रभावित गांवों में मूलभूत सुविधाओं की मांग प्रमुखता से उठाई। किसानों ने कहा कि परियोजना विस्तार से प्रभावित परिवारों के हितों की रक्षा करते हुए लंबित मामलों का शीघ्र समाधान किया जाना चाहिए।सीएमडी श्री हरीश दुल्हन ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि प्रभावित परिवारों के मुद्दे महत्वपूर्ण और संवेदनशील हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी विषयों पर सकारात्मक पहल करते हुए समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।उत्पादन और गुणवत्ता पर विशेष जोररामपुर बटुरा ओसीएम के निरीक्षण के दौरान सीएमडी ने उत्पादन क्षमता, ओवरबर्डन हटाने की प्रगति, मशीनों की कार्यक्षमता तथा भविष्य की उत्पादन रणनीति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित उत्पादन लक्ष्य समय पर पूरे किए जाएं तथा गुणवत्ता और सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए।उन्होंने कहा कि देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में एसईसीएल की महत्वपूर्ण भूमिका है और सोहागपुर क्षेत्र इस दिशा में अहम योगदान दे रहा है। ऐसे में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को समन्वय के साथ कार्य कर बेहतर परिणाम देने होंगे।अमलाई ओसीएम में आरकेटीसी कंपनी की कार्यप्रणाली से प्रभावित हुए सीएमडीरामपुर बटुरा ओसीएम के बाद सीएमडी ने अमलाई ओसीएम का भी विस्तृत निरीक्षण किया। यहां आरकेटीसी प्राइवेट कंपनी के प्रबंधक वेंकटेश्वर रेड्डी ने उनका स्वागत किया और परियोजना की प्रगति, उत्पादन व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन तथा मानसून पूर्व तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी।श्री रेड्डी ने खदान में संचालित कार्यों, मशीनों की उपलब्धता, उत्पादन लक्ष्य प्राप्ति की रणनीति और मानसून के दौरान निर्बाध संचालन के लिए बनाई गई कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण भी किया। सीएमडी ने खदान क्षेत्र का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया।निरीक्षण के दौरान अमलाई ओसीएम में चल रहे कार्यों, बेहतर प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था तथा उत्पादन प्रणाली को देखकर सीएमडी संतुष्ट दिखाई दिए। उन्होंने खदान प्रबंधन और आरकेटीसी कंपनी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उत्पादन में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित की जाए।अमलाई ओसीएम के उपक्षेत्रीय प्रबंधक मनीष सिंह एवं खान प्रबंधक हरिराम ने भी खदान की वर्तमान स्थिति तथा मानसून तैयारियों की जानकारी प्रस्तुत की।दौरे से बढ़ीं उम्मीदेंसीएमडी के इस दौरे ने जहां उत्पादन और सुरक्षा को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए हैं, वहीं परियोजना प्रभावित किसानों को भी अपनी बात शीर्ष प्रबंधन तक पहुंचाने का अवसर मिला है। क्षेत्र के लोगों को उम्मीद है कि पुनर्वास, रोजगार और विकास से जुड़े लंबित मुद्दों के समाधान की दिशा में अब तेजी देखने को मिलेगी।सोहागपुर क्षेत्र में हुए इस उच्चस्तरीय दौरे को खनन गतिविधियों, उत्पादन वृद्धि, सुरक्षा व्यवस्था और परियोजना प्रभावित परिवारों के हितों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मानसून से पहले हुए इस निरीक्षण ने स्पष्ट संकेत दिया है कि एसईसीएल प्रबंधन उत्पादन के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों और सुरक्षा मानकों को भी समान महत्व दे रहा है।

जिला चिकित्सालय में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता गोष्ठी आयोजित

युवाओं से नशामुक्त जीवन अपनाने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, अनूपपुर के तत्वावधान में आज जिला चिकित्सालय परिसर में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर एक भव्य जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। जनसामान्य को तंबाकू एवं उससे निर्मित उत्पादों के जानलेवा दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और प्रबुद्ध नागरिकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा तंबाकू मुक्त समाज की परिकल्पना के साथ की गई, जिसका मुख्य फोकस युवा पीढ़ी को इस लत से दूर रखना था। गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ताओं ने तंबाकू के सेवन से होने वाले पारिवारिक और सामाजिक नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की। इस अवसर पर उपस्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संचालक राजेन्द्र प्रसाद तिवारी ने युवाओं से नशामुक्त जीवन अपनाने का पुरजोर आह्वान करते हुए कहा कि नशे की प्रवृत्ति न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नष्ट करती है, बल्कि पूरे परिवार और समाज को गर्त में धकेल देती है। वहीं, रेड क्रॉस सोसायटी के सभापति डॉ. आर.पी. सोनी ने तंबाकू जनित गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर और हृदय रोग पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए लोगों से तत्काल इसे त्यागने की अपील की। कार्यक्रम में सभी नागरिकों और स्वास्थ्य कर्मियों को तंबाकू व अन्य नशीले पदार्थों का सेवन न करने तथा समाज में इसके खिलाफ सघन जन-जागरूकता अभियान चलाने की सामूहिक शपथ दिलाई गई। यह शपथ रेड क्रॉस के सचिव डॉ. देवेन्द्र कुमार तिवारी द्वारा दिलाई गई। कार्यक्रम में डॉ. जनक सारिवान, डॉ. शिवेंद्र द्विवेदी, कमलाकर गौतम, डॉ. शिवेन्द्र द्विवेदी सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सरईकापा रोड पर मिली अज्ञात महिला के शव का पुलिस ने कराया कफ़न-दफ़न, शिनाख्त की कोशिशें

बुढ़ार।

विगत 28 मई को सरईकापा रोड पर बेहोशी की हालत में पुलिस 112 को मिली एक अज्ञात महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। महिला का कोई वारिसदार (परिजनों) न मिलने और भीषण गर्मी को देखते हुए पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर सम्मानपूर्वक उसका कफ़न-दफ़न करा दिया है।

अस्पताल से मिली थी सूचना, बीएनएस के तहत मामला दर्ज

पुलिस प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र से मर्ग अस्पताली तहरीर प्राप्त हुई थी। इसमें बताया गया कि उक्त अज्ञात महिला (उम्र लगभग 50 से 55 वर्ष) की मृत्यु हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस ने मर्ग क्रमांक 49/26, धारा 194 बीएनएस (BNS) के तहत मामला कायम कर पंचनामा की कार्रवाई शुरू की। भीषण गर्मी के कारण शव को ज्यादा समय तक रखना संभव नहीं था, इसलिए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर शव का अंतिम संस्कार (डिस्पोजल) कराया गया।

आसपास के जिलों में भी दी गई सूचना

मामले की जांच कर रहे एएसआई गिरीश शुक्ला ने बताया:घटना के दिन से लेकर अब तक अज्ञात महिला से संबंधित कोई भी व्यक्ति या उसका परिजन पुलिस से संपर्क करने नहीं आया है। जिले सहित पड़ोसी जिलों के थानों में भी महिला के संबंध में हुलिया और तस्वीरें भेजी गई हैं, लेकिन फिलहाल कोई सुराग हाथ नहीं लगा है।"

पहचान के लिए महिला का हुलियाः

यदि आप इस महिला से संबंधित कोई भी जानकारी रखते हैं, तो कृपया बुढ़ार पुलिस से संपर्क करें। पुलिस द्वारा जारी किया गया हुलिया इस प्रकार हैःउम्र व रंगः लगभग 50 से 55 वर्ष, सांवला रंग।,बालः लंबे और अधपके (काले-सफेद)।,पहने हुए जेवरः नाक में छल्लेदार पीली धातु की फुलिया। दोनों हाथों की कलाई में पीली-हरी प्लेन चूड़ियां, जिनके आगे-पीछे और बीच में मेटल के कंगन हैं।शरीर पर गोदने (Tattoo) के निशानः दोनों हाथों की कोहनी के नीचे कलाई पर फूलदार गोदना गोदा है।दाहिने हाथ की कलाई पर गोदने से 'सुंदी बाई' लिखा हुआ है।दोनों पैरों में पायल पहनने की जगह पर भी फूलदार गोदना बना हुआ है। बुढ़ार पुलिस लगातार अज्ञात महिला के परिजनों की तलाश में जुटी हुई है और आम जनता से भी सहयोग की अपील की है।

शासकीय भूमि पर अतिक्रमण और मार्ग अवरूद्ध करने के आरोप, ग्रामीणों में रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

समीपस्थ ग्राम पंचायत पौंसरा में शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करने, सार्वजनिक सड़क अवरुद्ध करने और प्रशासनिक दबाव बनाकर निजी हित साधने जैसे कई गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का द्वारा जनसुनवाई से लेकर कलेक्टर तक कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, ग्राम पंचायत पौंसरा के जमोड़ी टोला में लगभग 50 वर्ष पूर्व निर्मित शासकीय सीसी रोड पर सरपंच द्वारा बड़े-बड़े पत्थर रखकर रास्ता बंद कर दिया गया है। इससे ग्रामीणों का आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है और बड़े वाहनों की एंट्री बंद हो चुकी है। इस मामले को लेकर सुरेश कुमार, आनंद, नंदनी, प्रेमलाल, नीरज, उमेश कोरी, राजेश, संजय कोल सहित दर्जनों ग्रामीणों ने कलेक्टर कटनी को सामूहिक ज्ञापन सौंपकर मार्ग तत्काल खुलवाने की मांग की है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि गांव के सरकारी स्कूल के लिए वर्ष 2013 में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा सुरक्षित की गई लगभग 7 डिसमिल शासकीय भूमि पर भी पांडे परिवार द्वारा पक्का निर्माण करा लिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यह अवैध निर्माण सरपंच के कार्यकाल के दौरान ही हुआ, लेकिन शिकायत के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि जमोड़ी टोला से बाम चौरा जाने वाले शासकीय मार्ग को तत्काल प्रभाव से खुलवाया जाए।

भूमि सुलभ न होने से अनुबंधित आश्रम शाला निर्माण रूका

वर्ष पूर्व हुये थे टेंडर और अनुबंध

उमरिया

उमरिया जिले के प्रशासनिक अधिकारियों की गैर जिम्मेदाराना और लचर कार्य शैली की झलक तो जब तब देखने - सुनने में आती ही रहती है, ऐसे ही संवेदनशील मामला जिले के पाली विकास खंड के सुंदर दादर में प्रकाश में आया है। जहाँ पर आदिवासी आश्रम शाला भवन के निर्माण के लिए वर्ष 2024 में 50 सीटर आदिवासी आश्रम शाला भवन के निर्माण कराये जाने हेतु शासन के स्वीकृति पश्चात टेंडर जारी किया गया था, निविदा प्रक्रियाओं का पूर्ण पालन विधि संगत होने के कारण संबंधित कार्य एजेंसी को कार्यादेश भी जारी कर दिये गये थे, लेकिन इन दो वर्षों में आज तक कार्य एजेंसी को भूमि ही सुलभ नहीं करायी गयी, जिस वजह से शाला आश्रम का निर्माण कार्य अधर में लटका हुआ है। आदिवासी ग्राम पंचायत सुंदर दादर एक ऐसा गाँव है जहाँ पर अभी भी पर्याप्त राजस्व शासकीय भूमि उपलब्ध है ,जो कि राजस्व अभिलेखों में भी दर्ज हैं फिर भी भूमि उपलब्ध कराने के लिए जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों की उदासीनता के कारण यह शासकीय भवन निर्माण कार्य इन दो वर्षों में शुरू नहीं हो पाया है । ध्यान देने योग्य है की कार्यादेश अनुबंध शर्तों के मुताबिक कार्य एजेंसी की निर्माण करने की बाध्यता समाप्त हो गयी है, और संबंधित कार्य एजेंसी इसका लाभ उठाते हुए बढी हुई सामग्री दरो से लगने वाली चपत से बचने के लिए बाहर निकलने का रास्ता ढूंढ रहा है। गौर तलब हैं कि अगर प्रशासनिक अधिकारी अपनी उदासीन रवैया के चहारदीवारी से बाहर नहीं निकलते तो, याकि सदा के लिए शासकीय आदिवासी आश्रम शाला के निर्माण पर रोक लग जायेगी या इसकी लंबी कीमत चुकानी पड़ेगी। बहुत सरल बात है की दो वर्ष पूर्व हुये निविदा में उस दौरान की कीमतों को दृष्टि गत करते हुए टेंडर कोड किये गए रहे होंगे, इन दो वर्षों में वैसे भी निर्माण सामग्रियों के दरो में इजाफा होना स्वाभाविक ही था फिर अब तो खाड़ी देशों में हुये युद्ध परिणामों ने भारत की अर्थव्यवस्था और पेट्रोलियम पदार्थों में आग लगा कर रख दी है।

नाबालिग से दुष्कर्म और फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने कोर्ट में किया पेश

बुढ़ार।

थाने की केशवाही चौकी के अंतर्गत ग्राम पड़रिया में एक 17 वर्षीय नाबालिग युवती को डरा-धमकाकर लगातार दुष्कर्म करने वाले आरोपी को नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया है।

शादी के बाद मायके आने पर भी किया दुराचार

मामले की जांच कर रही महिला सब इंस्पेक्टर श्रीमती शोभा नामदेव ने बताया कि आरोपी प्रदीप जायसवाल ने नाबालिग लड़की को अपनी हवस का शिकार बनाया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने पीड़िता के कुछ आपत्तिजनक फोटो और वीडियो भी बना लिए थे। इसके बाद वह उन वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करता रहा और कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। हद तो तब हो गई जब पीड़िता का विवाह हो गया और वह कुछ दिनों के लिए अपने मायके आई थी। आरोपी उस पर लगातार निगाह रखे हुए था। जब पीड़िता शौच के लिए मैदान की तरफ जा रही थी, तभी आरोपी ने जबरन उसका हाथ पकड़ा और झाड़ियों के पीछे ले जाकर फिर से दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।

मामले की हकीकत को देखते हुए थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार ने पीड़ितों को फ़रियाद सुनीं और स्वयं विवेचना कर मनौवैज्ञानिक तरीके से मामले को दर्ज किया।

पॉक्सो और बीएनएस की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज

लगातार प्रताड़ना से तंग आकर पीड़िता ने 30 मई को हिम्मत जुटाई और पुलिस थाने में मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को धरदबोचा।आरोपी प्रदीप जायसवाल (पिताः पूरन जायसवाल), निवासी ग्राम नौगाई।दर्ज धाराएंः पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 64(2)(M), 332(2), 308(1), 351(3) और 5(L)/6 पॉक्सो एक्ट (POCSO Act) के तहत गंभीर मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया है।इस धर-पकड़ कारवाई में महिला आरक्षक कल्पना धुर्वे, प्रधान आरक्षक जगत सिंह, प्रभात सिंह की भूमिका रही।

रेत का अवैध परिवहन करते चार ट्रेक्टर ट्राली को किया गया जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत विजयराघवगढ़ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार रेत से भरे ट्रैक्टर जब्त किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध धारा 106 बीएनएसएस एवं 4/21 खनन अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की है। एसपी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, एएसपी डॉ. संतोष डेहरिया एवं एसडीओपी वीरेन्द्र धार्वे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक रीतेश शर्मा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।जानकारी के अनुसार जिला प्रशासन द्वारा महानदी क्षेत्र में रेत उत्खनन एवं परिवहन के लिए किसी वैध कंपनी को अनुमति नहीं दी गई है, जिसके चलते क्षेत्र में रेत खनन एवं परिवहन पर रोक लागू है। इसके बावजूद 28-29 मई 2026 की दरम्यानी रात महानदी के गुड़ेहा घाट से अवैध रूप से रेत निकालकर परिवहन किए जाने की सूचना पुलिस को मिली।

खबर संक्षेप

भालू के हमले से दो महिलाएं घायल

अनूपपुर। रविवार की सुबह जिला मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत धनगवां के पटपरिहा टोला में दो महिलाएं जो सुबह दिशा मैदान के लिए घर से कुछ दूर खेत की ओर गई रही तभी अचानक जंगल की ओर से आकर विचरण कर रहा एक भालू ने दोनों पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया घायलों में 35 वर्षीय गुड्डी पति गोरेलाल कोल के कमर में तथा 65 वर्षीय वृद्धा त्तिजिया पति रामबदन कोल के चेहरा, छाती एवं शरीर के अन्य हिस्सो पर चोट आई है। घटना के बाद ग्रामीणों के इकट्ठा होकर हो-हल्ला करने पर भालू जंगल की ओर चला गया। ग्राम पंचायत धनगवां सरपंच संजय गोठिया द्वारा मौके पर पहुंचकर दोनों घायलों को फुनगा अस्पताल भेजा है घटना की जानकारी मिलने पर जिला मुख्यालय अनूपपुर के वन्यजीव संरक्षक ने शशिधर अग्रवाल ने फुनगा के सामाजिक कार्यकर्ता नारेंद्र प्रताप सिंह एवं उमेश अग्रवाल से आग्रह करने पर दोनो समाजसेवी फुगना अस्पताल पहुंचकर दोनों घायलो की स्थिति को देखकर परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी ली अग्रवाल द्वारा उपवन मंडल अधिकारी अनूपपुर प्रकाश मनोहर राव पखाले, वन परिक्षेत्र अधिकारी कोतमा हरीश कुमार तिवारी को घटना की जानकारी देते हुए उचित कार्यवाही किए जाने की अपेक्षा की है, दोनों घायलों का इयूटी डॉक्टर द्वारा प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार हेतु जिला चिकित्सालय अनूपपुर को रेफर किया है।

अनुसुइया तालाब में किया स्वच्छता श्रमदान

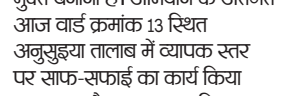

बिजुरी। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार जल स्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान२ के तहत आज नगर पालिका परिषद बिजुरी द्वारा स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नगरीय क्षेत्र के पारंपरिक जलीय स्रोतों को सहेजना और उन्हें प्रदूषण मुक्त बनाना है। अभियान के अंतर्गत आज वार्ड क्रमांक 13 स्थित अनुसुइया तालाब में व्यापक स्तर पर साफ-सफाई का कार्य किया गया। इस दौरान तालाब परिसर और जल क्षेत्र से जलकुंभी, प्लास्टिक कचरा तथा अन्य अपशिष्ट पदार्थों को पूरी तरह साफ किया गया, जिससे तालाब का जल स्वच्छ और संरक्षित हो सके। इस कार्य में स्थानीय नागरिकों की जनभागीदारी सराहनीय रही। निकाय के अधिकारियों, सफाई मित्रों (स्वच्छता कर्मियों) और जागरूक वार्ड वासियों ने कंधे से कंधा मिलाकर तालाब के कायाकल्प के लिए श्रमदान किया।

फुलकोना पंचायत में शिकायतों का अंबार, जांच पर जांच लेकिन कार्रवाई शून्य

भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों से घिरी पंचायत

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जनपद पंचायत अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत फुलकोना इन दिनों लगातार शिकायतों और जांचों को लेकर चर्चा में है। पंचायत में भ्रष्टाचार, अनियमित भुगतान, शासकीय राशि के दुरुपयोग, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, जीएसटी एवं टीडीएस कटौती में अनियमितता तथा सामग्री क्रय नियमों के उल्लंघन जैसी गंभीर शिकायतें विभिन्न स्तरों पर दर्ज कराई गईं। शिकायतों के आधार पर कई बार जांच दल गठित किए गए, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी न तो जांच प्रतिवेदन सार्वजनिक हो सके हैं, और न ही दोषियों के विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई सामने आई है।

जनपद पंचायत ने गठित किया था तीन सदस्यीय जांच दल

प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार 24 दिसंबर 2025 को जनपद पंचायत अनूपपुर द्वारा ग्राम पंचायत फुलकोना में भ्रष्टाचार, अनियमित भुगतान एवं शासकीय राशि के दुरुपयोग की शिकायत पर तीन सदस्यीय जांच दल गठित किया गया था। जांच दल में खंड पंचायत अधिकारी आदेश टोप्पो, खंड समन्वयक (एसबीएम) अंकुर सिंह तथा उपयंत्री एल. श्रीवास्तव को शामिल किया गया था। आदेश में जांच दल को सात दिवस के भीतर बिंदुवार जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे।

जीएसटी-टीडीएस और सामग्री क्रय नियमों के उल्लंघन की भी शिकायत

इसके अतिरिक्त जिला पंचायत अनूपपुर में दर्ज एक अन्य शिकायत में ग्राम पंचायत फुलकोना द्वारा विकास कार्यों के भुगतान में जीएसटी एवं टीडीएस की कटौती नहीं किए जाने तथा मध्यप्रदेश पंचायत (सामग्री एवं माल क्रय) नियम 1999 के उल्लंघन के आरोप लगाए गए। जिला पंचायत द्वारा जनपद पंचायत अनूपपुर को उक्त शिकायत की जांच कर पांच दिवस के भीतर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किए गए थे। शिकायत में वित्तीय नियमों के उल्लंघन से शासकीय धन की हानि एवं वित्तीय अनियमितताओं की आशंका व्यक्त की गई थी।

सीएम हेल्पलाइन में भी पहुंचा मामला

वहीं मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों से भी जांच प्रक्रिया की धीमी गति उजागर होती है। शिकायतकर्ता द्वारा ग्राम पंचायत फुलकोना के निर्माण कार्यों में उपयोग की गई सामग्री की गुणवत्ता एवं कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठाए गए थे। शिकायत की स्थिति में दर्ज विवरण के अनुसार पहले संबंधित अधिकारियों को जांच सौंपी गई, लेकिन निर्धारित समय में कार्रवाई नहीं होने के कारण शिकायत अधिकारियों को बदलना पड़ा। इसके बाद भी जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं हो सका।

बार-बार निर्देश, फिर भी लंबित जांच प्रतिवेदन

13 मई 2026 की प्रविष्टि में सहायक यंत्री को जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए, किंतु प्रतिवेदन प्राप्त नहीं होने पर पुनः तीन दिवस के भीतर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए गए। इसके बावजूद शिकायत की स्थिति में जांच प्रतिवेदन अपेक्षित है दर्ज रहा। इससे यह स्पष्ट होता है कि शिकायतों के निराकरण में लगातार विलंब हो रहा है।

ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों में बढ़ रही नाराजगी

ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों का आरोप है कि पंचायत में लगातार शिकायतें होने, जांच दल गठित होने और उच्च अधिकारियों द्वारा निर्देश जारी किए जाने के बावजूद कार्रवाई आगे नहीं बढ़ रही है। इससे ग्रामीणों में यह धारणा बन रही है कि शिकायतों को जानबूझकर लंबित रखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि यदि समयबद्ध जांच और कार्रवाई नहीं हुई तो पंचायतों में विकास कार्यों के नाम पर खर्च की जाने वाली राशि की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े होंगे।

अधिकारियों की भूमिका पर उठ रहे सवाल

लगातार जांच आदेश जारी होने, समय-सीमा निर्धारित किए जाने और बार-बार प्रतिवेदन मांगे जाने के बावजूद कार्रवाई का अभाव कई सवाल खड़े कर रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत सचिव के विरुद्ध दर्ज शिकायतों में अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है, जिससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर भी प्रश्नचिह्न लग रहे हैं।

अब कार्रवाई का इंतजार

अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन, जनपद पंचायत एवं संबंधित विभाग इन लंबित जांचों पर क्या निर्णय लेते हैं और शिकायतों में उठाए गए आरोपों की वास्तविकता जनता के सामने कब तक आ पाती है। फिलहाल ग्राम पंचायत फुलकोना में शिकायतों, जांचों और कार्रवाई के इंतजार का सिलसिला लगातार जारी है।

पिकअप पलटी, मची अफरा-तफरी: निरीक्षण पर निकली टीम ने 15 से अधिक घायलों को पहुंचाई तत्काल सहायता

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर विक्रांत मुराब के निर्देश पर जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं दुर्घटना संभावित क्षेत्रों (ब्लैक स्पॉट) की पहचान करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस की टीम निरीक्षण पर निकली हुई थी। इसी दौरान करणपठार क्षेत्र के 'लीलाटोला के समीप पिपरतला बुढ़ार से दुधमनिया जा रही' एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें 15 से अधिक लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही निरीक्षण कर रही यातायात टीम तत्काल मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस कर्मियों ने घायलों को वाहन से सुरक्षित बाहर निकालकर प्राथमिक सहायता प्रदान की तथा तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। दुर्घटना में एक व्यक्ति का हाथ कट जाने तथा एक अन्य व्यक्ति के जबड़े में गंभीर चोट आने की जानकारी प्राप्त हुई है। अन्य घायलों को भी आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। यातायात पुलिस की त्वरित सहायता के चलते सभी घायलों को समय पर उपचार मिल सका। राहत एवं बचाव कार्य के दौरान यातायात पुलिस ने दुर्घटना स्थल पर यातायात व्यवस्था को भी सुचारू बनाए रखा तथा स्थानीय नागरिकों के सहयोग से घायलों को शीघ्र अस्पताल पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यातायात पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वाहन चलाते समय सावधानी बरतें, सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करें। कृपया सड़क दुर्घटना को देखकर मुंह ना मोड़ें, घायलों की सहायता करें और एक जिम्मेदार नागरिक और राहबीर बने।

नौतपा में मेघों की मेहरबानी, अमरकंटक बना शीतल स्वर्ग

सात दिनों में पांच दिन बरसे बादल, 31 डिग्री तापमान ने दी गर्मी से मात

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

सामान्यतः नौतपा का नाम आते ही प्रचंड गर्मी, झुलसाती धूप और तपती हवाओं की कल्पना मन में उभरती है, किंतु इस वर्ष प्रकृति ने पावन नगरी अमरकंटक पर विशेष कृपा बरसाई है। नौतपा के सातवें दिन यहां का मौसम पूरी तरह बदला हुआ दिखाई तापमान मात्र 31 डिग्री सेल्सियस :सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 26 रहने से वातावरण अत्यंत स्वच्छ, निर्मल और स्वास्थ्यवर्धक बना रहा। इस वर्ष नौतपा के सात दिनों में से पांच दिन वर्षा होने से गर्मी का प्रभाव लगभग समाप्त हो गया। बीच-बीच में तेज आंधी, गरज-चमक और वर्षा के कारण मौसम लगातार सुहावना बना रहा। नौतपा के प्रारंभिक दिनों में तापमान एक बार 39 डिग्री सेल्सियस तक अवश्य पहुंचा, लेकिन उसके बाद मौसम ने ऐसी करवट ली कि तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की गई। बारिश और ठंडी हवाओं ने संपूर्ण अमरकंटक क्षेत्र को प्राकृतिक शीतलता से भर दिया है। सुबह और शाम की मनोहारी ठंडक लोगों को पर्यटन स्थलों की ओर आकर्षित कर रही है। गर्मी का एहसास लगभग समाप्त हो जाने से पर्यटक, श्रद्धालु तथा स्थानीय नागरिक राहत और आनंद का अनुभव कर रहे हैं। नर्मदा उद्गम, कपिलधारा, दुग्धधारा, सोनमूड़ा तथा अन्य दर्शनीय स्थलों पर इन दिनों बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। बादलों की छांव, पर्वतीय हरियाली और शीतल हवाओं का संगम अमरकंटक की सुंदरता को और भी निखार रहा है। प्राकृतिक सौंदर्य के इस अद्भुत दृश्य का आनंद लेने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु एवं पर्यटक पहुंच रहे हैं। नौतपा के अब केवल दो दिन शेष हैं। ऐसे में लोगों की निगाहें मौसम के अगले रुख पर टिकी हुई हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि अंतिम दिनों में तापमान बढ़ता है, स्थिर रहता है अथवा वर्षा का सिलसिला जारी रहकर मौसम को और अधिक सुहावना बना देता है। फिलहाल अमरकंटक में प्रकृति की यह मेहरबानी लोगों के चेहरे पर मुस्कान बिखेर रही है। भारतीय मौसम विज्ञान के अनुसार नौतपा के दौरान पड़ने वाली तीव्र गर्मी मैदानी क्षेत्रों में निम्न वायुदाब का क्षेत्र तैयार करती है। यही कम दबाव मानसूनी हवाओं को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि जितनी अधिक गर्मी पड़ेगी, उतना ही मजबूत निम्न दबाव क्षेत्र बनेगा और मानसून की सक्रियता बेहतर होगी। इसी कारण नौतपा को मानसून का गर्भकाल भी कहा जाता है। नौतपा के समाप्त होने के बाद मानसून के आगमन की संभावनाएं तेजी से बढ़ जाती हैं। हालांकि इस वर्ष अमरकंटक में नौतपा अपेक्षाकृत शीतल रहा है, फिर भी लगातार हो रही वर्षा ने क्षेत्र को प्राकृतिक सौंदर्य और सुखद मौसम का अनमोल उपहार प्रदान किया है।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर अमरकंटक में उमड़ा आस्था का सैलाब

हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई नर्मदा में पुण्य डुबकी, दिनभर रही भक्तों की भीड़

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थस्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में अधिमास ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा, अनुराधा नक्षत्र एवं रविवार के पावन अवसर पर श्रद्धा, आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। पतित पावनी मां नर्मदा के उद्गम क्षेत्र में हजारों भक्त श्रद्धालु, तीर्थयात्री एवं दर्शनार्थी पहुंचे और नर्मदा नदी के विभिन्न घाटों पर स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। प्रातःकाल से ही मां नर्मदा के कोटितीर्थ कुंड, रामघाट, उत्तर एवं दक्षिण तट तथा आरंडी संगम तट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने पवित्र नर्मदा जल में आस्था की डुबकी लगाकर स्नान किया तथा मां नर्मदा का स्मरण करते हुए अपने परिवार, समाज एवं राष्ट्र की सुख-समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना की। इसके उपरांत श्रद्धालु नर्मदा उद्गम मंदिर पहुंचे, जहां लंबी कतारों में खड़े होकर उन्होंने भजन-कीर्तन एवं जयकारों के बीच मां नर्मदा के दर्शन किए। श्रद्धालुओं ने श्रद्धा एवं विश्वास के साथ मंदिर में माथा टेककर परिवार के सुख, शांति, समृद्धि, ऐश्वर्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगल कामना की। मंदिर परिसर पूरे दिन धार्मिक वातावरण से गुंजायमान रहा। ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर नर्मदा स्नान एवं दर्शन-पूजन का क्रम सुबह लगभग 5 बजे से प्रारंभ हो गया था, जो देर शाम तक निरंतर चलता रहा। नर्मदा तटों, मंदिर परिसर तथा प्रमुख पर्यटन स्थलों पर दिनभर भक्तों और पर्यटकों की चहल-पहल बनी रही। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए स्थानीय प्रशासन एवं मंदिर प्रबंधन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। मौसम की दृष्टि से भी दिन विशेष रहा। दोपहर लगभग 12 बजे तक नौतपा का प्रभाव दिखाई दिया तथा तेज धूप के कारण गर्मी का अहसास बना रहा। इसके बाद आसमान में काले बादल छा गए और रुक-रुक कर हल्की वर्षा होती रही, जिससे मौसम सुहावना हो गया। वर्षा के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं आई और दर्शन-पूजन का क्रम निरंतर जारी रहा। ज्येष्ठ पूर्णिमा के इस पावन अवसर पर अमरकंटक में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत वातावरण देखने को मिला, जहां मां नर्मदा के चरणों में हजारों श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था अर्पित कर पुण्य लाभ प्राप्त

200 से अधिक युवक-युवतियों को किया गया प्रशिक्षित विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस का किया गया आयोजन

हरिभूमि नयूज अनूपपुर।

प्रणाम नर्मदा युवा संघ के द्वारा संचालित मिशन निरोग नारी के अंतर्गत विश्व माहवारी स्वच्छता जागरूकता दिवस के अवसर पर माहवारी स्वच्छता जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला डायट भवन अनूपपुर में किया गया, जिसमें अनूपपुर जिला प्रशासन, अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग द्वारा आयोजित शौर्य संकल्प प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 200 प्रतिभागियों को माहवारी स्वच्छता, सामाजिक एवं परंपरागत रूढीवादी अभ्यास, कुरुतियों एवं अंधविश्वास के विषय में जागरुक एवं प्रशिक्षित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा एवं युवतियों में माहवारी के प्रति जागरूकता लाना था, जिससे वह सैन्य बल, अर्द्ध-सैनिक बल या पुलिस क्षेत्र में जाएं या समाज का एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें। स्वयं के साथ अपने परिवार की स्त्रियों और समाज के स्त्रियों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ सके। यह कार्यक्रम संकल्प ग्रुप आफ कॉलेज के विशेष सहयोग से संपन्न हुआ।

मिशन निरोग नारी के माध्यम से किया जा रहा जागरूक

ज्ञात हो कि प्रणाम नर्मदा युवा संघ विगत 6 वर्षों से मिशन निरोग नारी का संचालन कर रहा है जिसमें माहवारी स्वच्छता को बढ़ावा देने तथा अंधविश्वासों और सामाजिक रूढ़वादी अभ्यास के उन्मूलन का कार्य किया जा रहा है, संस्था द्वारा ग्रामीण तथा जनजातीय अंचलों में सामुदायिक तथा विद्यालय के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है, समय-समय पर सेमिनार तथा वर्कशॉप के माध्यम से भी महिलाओं तथा पुरुषों को जागरूक किया जाता है। निरोग नारी केंद्र के माध्यम से ग्रामीण तथा जनजाति महिलाओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड भी उपलब्ध कराया जाता है।

महावारी पर करें खुलकर बात

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह ने कहा की माहवारी कोई बीमारी नहीं है वरन यह एक सामान्य प्रक्रिया है जो एक स्वस्थ महिला में प्रदर्शित होता है, माहवारी के दौरान स्वास्थ्य की विशेष देखभाल करने की आवश्यकता होती है। यह कार्यक्रम एक अनोखा और श्रेष्ठ कार्यक्रम देखने को मिला जो युवाओं में माहवारी के प्रति खुलकर बात करने को लेकर जागरूकता ला रहा है।

महावारी के वैज्ञानिक प्रक्रिया को समझने की आवश्यकता

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमा पांडे ने महावारी के वैज्ञानिक प्रक्रिया को सरल शब्दों में समझाया साथ ही महावारी के दौरान स्वच्छता ना रखने पर होने वाली बीमारियों और उसके दुष्परिणाम पर विस्तार से जानकारी प्रदान किया गया, माहवारी चक्र को समझाते हुए स्वस्थ स्त्री के माहवारी लक्षणों का विस्तार से जानकारी प्रदान किया गया साथ ही महिलाओं में माहवारी के दौरान होने वाले मनोवैज्ञानिक परिवर्तनों पर भी प्रकाश डाला।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम में संकल्प ग्रुप ऑफ कॉलेज के डायरेक्टर एवं इस कार्यक्रम के प्रायोजक अंकित शुक्ला, गढ़वाल विश्वविद्यालय उत्तराखंड के शोधार्थी अर्पिता ऋषारिया, प्रणाम नर्मदा युवा संघ के सचिव हरिश कुमार धुर्वे, संस्थापक डॉ विकास चंदेल, सदस्य माखन सिंह धुर्वे, रामनारायण पटेल, भारत पटेल, कृतार्थ देवा चतुर्वेदी, स्वामी विवेकानंद विद्यार्थी भवन के छात्र एवं प्रणाम नर्मदा युवा संघ में इंटर्नशिप कर रहे छात्र सानू वैष्णव, अलंकृता, अलबेला, अनुभा निराला, वर्षा, सवित्री ध्रुवे, गुंजा, वर्षा, लेपाक्षी, मंगल देव, लक्ष्मण सिंह, अंकित शर्मा आदि उपस्थित रहे।